an>

Title: The Speaker made reference to the sad demise of His Excellency Shri Sushil Koirala, former Prime Minister of Nepal and the President of the Nepali Congress. She also made reference to the sad demise of Dr. Balram Jakhar, former Speaker, Lok Sabha. She further made reference to the passing away of Shri Yashpal Singh, member, 8th Lok Sabha; Shri Noorul Huda, member, 5th Lok Sabha; Shri Mufti Mohammed Sayeed, member, 9th and 12th Lok Sabhas; and Smt. Shanti Devi, member, 6th and 8th Lok Sabhas. She also made reference to the loss of lives of 7 security personnel and injuries to 20 others in a terrorist attack at Pathankot Air Force Station on 02.01.2016 and loss of lives of 10 soldiers of the Indian Army due to avalanche in Siachen, Jammu & Kashmir.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष महामहिम श्री सुशील कोईराला जी का 9 फरवरी, 2016 को 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से, नेपाल ने एक ऐसे नेता को खो दिया, जिन्होंने अपना समस्त जीवन नेपाल की प्रगति और विकास के प्रति समर्पित कर दिया था। श्री सुशील कोईराला जी ने अपने लंबे और यशस्वी राजनीतिक जीवन काल में समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ अपने देश और जनता की सेवा की। भारतीय नेताओं और संसदविदों के साथ उनके द्वारा स्थापित किए गए सौहार्दपूर्ण संबंध स्मरणीय हैं। उनकी जीवनशैली अत्यंत सादगीपूर्ण थी और उनका जीवन हम सभी के लिए अनुकरणीय है। इस सामूहिक क्षति की घड़ी में हम नेपाल की जनता के प्रति गहरी संवेदना और दुःख प्रकट करते हैं। सभा नेपाल की सरकार, वहां की संसद और वहां के लोगों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करती है।

माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को डॉ. बलराम जाखड़ जी, पूर्व अध्यक्ष लोक सभा और चार पूर्व सदस्यों श्री यशपाल सिंह, श्री नुरूल हुडा, श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद और श्रीमती शांति देवी के दुःखद निधन के बारे में सूचित करना है।

डॉ. बलराम जाखड़ सातवीं और आठवीं लोक सभाओं के दौरान लगातार दो कार्यकाल के लिए लोक सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। लोक सभा अध्यक्ष के रूप में उन्होंने पूर्ण योग्यता और उत्कृष्टता के साथ सभा की कार्यवाहियों का संचालन किया। उनके संसदीय कौशल तथा संसदीय प्रक्रिया और पद्धति के व्यापक ज्ञान के कारण उन्हें सभा के सभी वर्गों से सम्मान प्राप्त हुआ।

डॉ. जाखड़ एक सुयोग्य संसदविद थे। वे सातवीं, आठवीं, दसवीं, बारहवीं लोक सभा के सदस्य रहे। उन्होंने सातवीं लोक सभा के दौरान पंजाब के फिरोजपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र, आठवीं और दसवीं लोक सभा के दौरान राजस्थान के सीकर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र और बारहवीं लोक सभा के दौरान राजस्थान के बीकानेर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने वर्ष 1991 से वर्ष 1996 तक केन्द्रीय कृषि मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

डॉ. बलराम जाखड़ दो कार्यकाल के लिए पंजाब विधान सभा के सदस्य भी रहे। उन्होंने पंजाब सरकार में सहकारिता, सिंचाई और विद्युत उपमंत्री के रूप में कार्य करने के साथ-साथ पंजाब विधान सभा में प्रतिपक्ष के नेता के रूप में भी कार्य किया।

अपने लंबे और यशस्वी संसदीय जीवन के दौरान डॉ. बलराम जाखड़ ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने बहुत से देशों में भारतीय संसदीय शिष्टमंडलों का नेतृत्व भी किया।

डॉ. जाखड़ वर्ष 2004 से वर्ष 2009 तक मध्य प्रदेश के राज्यपाल पद पर आसीन रहे।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉ. बलराम जाखड़ को दो पुस्तकों - "पीपुल पार्लियामेंट एंड एडमिनिस्ट्रेशन" और "न्यू होराइज़न इन एग्रीकल्चर इन इंडिया" के लेखन का श्रेय प्राप्त है।

डॉ. बलराम जाखड़ का निधन 92 वर्ष की आयु में 3 फरवरी, 2016 को दिल्ली में हुआ।

श्री यशपाल सिंह उत्तर प्रदेश के सहारनपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से आठवीं लोक सभा के सदस्य थे।

श्री यशपाल सिंह सभा की बैठकों से सदस्यों की अनुपस्थिति संबंधी समिति के सदस्य थे।

श्री सिंह दो कार्यकाल तक उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य होने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य भी थे। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग राज्य मंत्री, राजस्व गन्ना विकास और चीनी मिल तथा उत्पाद शुल्क मंत्री और कृषि मंत्री के रूप में कार्य किया।

श्री यशपाल सिंह का 93 वर्ष की आयु में 12 दिसम्बर, 2015 को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में निधन हो गया।

श्री नूरूल हुडा असम के कछार संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 5वीं लोक सभा के सदस्य थे।

श्री नुरूल हुडा ने असम विधान सभा के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। वे एक सक्रिय सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता थे और उन्होंने समाज के दलित और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए अनवरत कार्य किए।

श्री नुरूल हुडा का निधन 85 वर्ष की आयु में 17 दिसम्बर, 2015 को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हुआ।

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद 9वीं और 12वीं लोक सभा में क्रमशः उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र और जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से सदस्य रहे।

वे दो कार्यकाल के लिए राज्य सभा के भी सदस्य थे।

श्री सईद एक सुयोग्य प्रशासक थे और उन्होंने वर्ष 1986 से वर्ष 1987 तक केन्द्रीय पर्यटन मंत्री के रूप में तथा वर्ष 1989 से वर्ष 1990 तक गृह मंत्री के रूप में कार्य किया।

वे चार कार्यकाल तक जम्मू और कश्मीर विधान सभा के सदस्य थे। साथ ही वे जम्मू और कश्मीर विधान परिषद के भी सदस्य थे। श्री सईद ने जम्मू और कश्मीर सरकार में कृषि और सहकारिता, निर्माण और शहरी विकास तथा शिक्षा उपमंत्री के रूप में कार्य किया।

अपने निधन के समय श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद जम्मू और कश्मीर के मुख्य मंत्री तथा जम्मू और कश्मीर विधान सभा के सदस्य थे। उन्होंने वर्ष 2002 से वर्ष 2005 तक भी जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया।

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद का निधन 80 वर्ष की आयु में 7 जनवरी, 2016 को नई दिल्ली में हुआ।

श्रीमती शांति देवी छठी और आठवीं लोक सभा में उत्तर प्रदेश के संभल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से सदस्य रहीं।

श्रीमती शांति देवी आठवीं लोक सभा के दौरान सरकारी आश्वासनों संबंधी समिति की सदस्य थीं।

इससे पूर्व, श्रीमती शांति देवी उत्तर प्रदेश विधान परिषद की सदस्य थीं। उन्होंने दो कार्यकाल तक उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। श्रीमती शांति देवी का निधन 86 वर्ष की आयु में 15 फरवरी, 2016 को बदायूं में हुआ।

हम अपने पूर्व साथियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हैं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हैं।

माननीय सदस्यगण, जैसा कि आपको ज्ञात है, 2 जनवरी, 2016 को पठानकोट एयरफोर्स स्टेशन पर आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में सात सुरक्षाकर्मी शहीद हुए और 20 अन्य व्यक्ति घायल हुए। इस कायरतापूर्ण हमले को उस स्टेशन की चौकसी कर रहे सतर्क सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया।

3 फरवरी, 2016 को सियाचिन, जम्मू और कश्मीर में एक प्राकृतिक आपदा में अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित चौकी के बर्फीले तूफान की चपेट में आने से भारतीय सेना के 10 सिपाही शहीद हो गए।

यह सभा कायरतापूर्ण आतंकी हमले और प्राकृतिक आपदा पर अपना गहरा शोक प्रकट करती है, जिससे शोक संतप्त परिवारों को दुख और पीड़ा हुई, साथ ही सभा घायल व्यक्तियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है।

अब सभा में उपस्थित सदस्य दिवंगत आत्माओं के सम्मान में थोड़ी देर मौन खड़े रहें।

12.55 hours

The Members then stood in silence for short while.